ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.
नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 14-08-2025

सोलान(हिमाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-08-14 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-08-15	2025-08-16	2025-08-17	2025-08-18	2025-08-19
वर्षा (मिमी)	10.0	10.0	5.0	10.0	10.0
अधिकतम तापमान(से.)	28.0	28.0	29.0	29.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	21.0	21.0	20.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	89	84	90	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	78	73	80	80
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	2	1	3	3	3
पवन दिशा (डिग्री)	127	108	360	360	103
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	7	6	7	7
चेतावनी	भारी वर्षा	भारी वर्षा	भारी वर्षा	भारी वर्षा	भारी वर्षा

पूर्वानुमान सारांश:

अगले पाँच दिनों तक मौसम परिवर्तनशील रहेगा। 15 से 18 अगस्त, 2025 तक जिले के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 28.0-29.0ºC और 20.0-21.0ºC के बीच रहेगा। हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा में 1.0-3.0 किमी प्रति घंटा रहेगी। सापेक्ष आर्द्रता 73-90 प्रतिशत के बीच रहेगी।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

 14 से 18 अगस्त, 2025 तक जिले के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

 फलदार फसलों को गिरने से बचाने के लिए सहारा दें। घरों और खेतों के पास कटाव की आशंका से बचने के लिए बहते पानी की निकासी की निगरानी रखें।

सामान्य सलाहकार:

 भारी वर्षा के दौरान बाढ़ के खतरे से बचने के लिए नदियों, नालों और बाढ़ संभावित क्षेत्रों से दुरी बनाए रखें । अतिरिक्त पानी को उचित जल निकासी नालियों और घासयुक्त जलमार्गों के माध्यम से मोड़ें, ताकि कटाव और भूस्खलन के जोखिम को कम किया जा सके। जल निकासी मार्गों से समय-समय पर मलबा और अवरोध हटाएँ, ताकि वर्षा जल का बहाव सुचारू बना रहे। उचित वायु संचार के लिए बागों को खरपतवारों और झाड़ियों से मुक्त रखें। रोगग्रस्त एवं कीट-ग्रस्त फल और टहनियों को हटा दें, ताकि रोग का प्रसार रोका जा सके। पशुओं को सूखे आश्रयों में रखें और उन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएँ।

लघु संदेश सलाहकार:

□ खेत में जल निकासी सुनिश्चित करें; बारिश के दौरान छिड़काव या उर्वरक के प्रयोग से बचें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मक्का	□ फसल में वर्षा का पानी जमा न होने दें क्योंकि यह फसल खड़े पानी के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होती है और डंठल सड़न को बढ़ावा देती है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेब	□ मध्य पहाड़ी क्षेत्रों में सेब की तुड़ाई वर्षा के दौरान या तुरंत बाद न करें, ताकि फलों में सड़न से बचाव हो सके। □ गिरे हुए और रोगग्रस्त फलों को एकत्र कर नष्ट करें, ताकि रोग के फैलाव को रोका जा सके।
टमाटर	□ परिपक्व फलों की समय पर तोड़ाई करें । □ फसल में बकआई रॉट एवं झुलसा रोग की नियमित निगरानी करें। रोगग्रस्त पौधों अथवा उनके भागों को तुरंत खेत से निकालकर गहराई में दबा दें, ताकि रोग का प्रसार रोका जा सके। □ फल छेदक कीट को नियंत्रित करने के लिए, संक्रमित फलों को नियमित रूप से हाथ से तोड़ कर उनका उचित निपटान करें ।
अदरक	□ उचित जल निकासी सुविधाओं के साथ खेतों को खरपतवार मुक्त रखें। □ फसल पर कंद गलन की निगरानी रखें। पौधे से पीले और रोगग्रस्त पत्तियाँ को हटाकर मिट्टी में दबा दें।
शिमला मिर्च	□ पके हुए फलों की समय पर तुड़ाई करें । □ नम मिट्टी और लगातार बादल छाए रहने की स्थिति में जड़ सड़न व तना सड़न रोग की संभावना बढ़ जाती है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	□ शेड के आसपास पानी जमा होने से बचाएँ, ताकि कीट-पतंगों की वृद्धि न हो और उनसे फैलने वाली बीमारियों से सुरक्षा मिल सके। □ किसानों को सलाह दी जाती है कि मानसून के साथ होने वाली खुरपका-मुंहपका (एफ.एम.डी.) और ब्लैक क्वार्टर (बी.क्यू.) जैसी बीमारियों से पशुओं को बचाने के लिए समय पर टीकाकरण अवश्य कराएं।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	□ मौसम और मिट्टी की स्थिति वृक्षारोपण के लिए अनुकूल है।
पौध - संरक्षण	□ पौधों के चारों ओर जैविक मल्च (सूखी पत्तियों) का उपयोग करें ताकि मिट्टी में नमी बनी रहे और खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सके। मल्च पानी के सतही बहाव को भी धीमा करता है। □ प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को कीट-प्रकोप नियंत्रण हेतु साफ मौसम में साप्ताहिक अंतराल पर अग्नास्त्र, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र तथा दशपर्णी अर्क का 3.0 प्रतिशत घोल का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। इसके साथ ही जीवामृत का 10.0 प्रतिशत घोल का नियमित अंतराल पर छिड़काव करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

□ आर्द्रता में वृद्धि और पत्तियों के लंबे समय तक गीले रहने की स्थिति फफूंद और जीवाणु रोगों के विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करती है, जिससे जड़ सड़न, झुलसा रोग तथा पत्तों पर धब्बे पड़ने जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

 किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खेतों से मेड़ों पर उगे खरपतवार और झाड़ियों को हटाकर वायु संचार में सुधार करें। रोग के प्रसार को रोकने के लिए संक्रमित फलों और टहनियों की तोड़ाई करें (मिट्टी में दबा दें)।

Farmers are advised to download Unified ‘Mausam’ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details